भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 785

उत्तर देने की तारीख 04 फरवरी, 2026 (बुधवार)

15 माघ, 1947 (शक)

प्रश्न

एनईएसटी क्लस्टर

†785. श्री योगेन्द्र चांदोलियाः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में पूर्वोत्तर विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एनईएसटी) क्लस्टर की स्थापना से संबंधित ब्यौरा क्या है;

(ख) एनईएसटी क्लस्टर के विशिष्ट उद्देश्य और प्रमुख घटक क्या हैं; और

(ग) क्या एनईएसटी क्लस्टर के कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग भागीदारों, केंद्रीय अनुसंधान निकायों और स्टार्ट-अप के साथ किसी भी सहयोग को औपचारिक रूप दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर (एनईएसटी) की स्थापना के लिए 4 जुलाई, 2025 को 22.98 करोड़ रुपये की लागत से पाँच वर्ष की अवधि के लिए एक परियोजना स्वीकृत की गई, जिसे उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय की उत्तर पूर्वी परिषद की स्कीमों के तहत वित्तपोषित किया जाएगा और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा लागू किया जाएगा।

यह परियोजना चार थीमेटिक वर्टिकल के माध्यम से संचालन के लिए डिज़ाइन की गई है, जिन्हें उभरती प्रौद्योगिकियों, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और भावी विकास क्षमता के आधार पर चुना गया है:

i. बुनियादी प्रौद्योगिकियों संबंधी इनोवेशन हब;

ii. सेमीकंडक्टर और कृत्रिम आसूचना के लिए टेक्नोलॉजी हब;

iii. बांस-आधारित प्रौद्योगिकी, उद्यमिता संवर्धन और कौशल विकास में नवाचार के लिए उत्कृष्टता केंद्र; और

iv. बायोडिग्रेडेबल और पर्यावरण अनुकूल प्लास्टिक पर कौशल विकास और नवाचार केंद्र।

(ख) एनईएसटी क्लस्टर के विशेष उद्देश्यों में शामिल हैं:

(i) अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं, दिव्यांगजनों और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के लोगों पर बल देते हुए उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) के युवाओं को सशक्त बनाना, ताकि वे जीविका के विकल्पों में स्वरोज़गार या उद्यमिता पर विचार कर सकें।
(ii) आइडिएशन से लेकर वाणिज्यीकरण तक हैंडहोल्डिंग द्वारा नए उद्यमों को बढ़ावा देना, मौजूदा एमएसएमई की क्षमता का निर्माण करना और पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करना।
(iii) अवसंरचना के निर्माण/मजबूती के लिए अनुसंधान और नवाचार संबंधी सहायता और प्रशिक्षण-सह-उद्यम इकोसिस्टम के संचालन के लिए सहायता प्रदान करके पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में हब और स्पोक मॉडल के माध्यम से युवाओं और संस्थाओं के प्रशिक्षण में सहायता प्रदान करना।
(iv) बुनियादी स्तर की मौजूदा प्रथाओं को वैज्ञानिक हस्तक्षेपों के माध्यम से मज़बूत करना, उनका मानकीकरण और प्रमाणन करना और कुशल उत्पाद बनाने और प्रक्रिया के वाणिज्यीकरण के लिए उद्योग 4.0 के दृष्टिकोण का उपयोग करना।

इस परियोजना के मुख्य घटकों में शामिल हैं:
• प्रौद्योगिकी निर्माण और स्टार्ट-अप के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम;
• इनक्यूबेशन और टिंकरिंग प्रयोगशालाएँ;
• प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, वाणिज्यीकरण तथा उत्पाद विपणन सहायता; और
• अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के लिए सक्षम अवसंरचना का विकास।

(ग) एनईएसटी क्लस्टर मुख्य रूप से हब और स्पोक मॉडल के रूप में कार्य करता है ताकि अनुसंधान एवं विकास संबंधी अंतःक्षेपों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण संस्थानों, उद्योग, अनुसंधान और सरकारी एजेंसियों को जोड़ा जा सके तथा ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास और उद्यमिता विकास के माध्यम से उसे आम आदमी तक पहुँचाया जा सके। 'स्पोक' के रूप में कार्य करने के लिए अब तक चिन्हित की गई संस्थाओं में शामिल हैं: उत्तर पूर्वी बेंत और बांस विकास परिषद, असम; उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश; अगरतला, मेघालय, मणिपुर, सिलचर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित आठ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी; तेजपुर विश्वविद्यालय, असम; वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, पूर्वोत्तर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, जोरहाट; भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, सेनापति, मणिपुर; और केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कोकराझार।

*****